United International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 3048-6726 (UIJMR) Impact Factor: 6.934 (SJIF)
An International Peer-Reviewed and Refereed Multidisciplinary Journal
www.uijmr.in Vol-3, Special Issue-II ,2026

प्रपत्र प्रस्तुत कर्ता
सी एच उषारानी
हिन्दी प्राध्यापिका
सरकारी कलशाला (स्वायत्त)
राजमहेंद्रवारम

भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल पाठ्य ज्ञान नहीं है; यह आध्यात्मिकता से लेकर विज्ञान तक सभी क्षेत्रों को समाहित करने वाली एक समग्र जीवन पद्धति है। हिंदी भाषा के विविध पहलू: हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, समाज, साहित्य और आधुनिक संचार का सशक्त माध्यम है। इसके कई महत्वपूर्ण पहलू हैं ।स्वतंत्रता के बाद शिक्षा सुधार की आवश्यकता महसूस हुई। कोठारी आयोग (1964–66) की सिफारिशों के आधार पर 1968 में पहली शिक्षा नीति लागू हु । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (1992 में संशोधित), यह नीति राजीव गांधी सरकार के समय लागू हुई। भारत में अब तक तीन प्रमुख राष्ट्रीय शिक्षा नीतियाँ (1968, 1986, 2020) लागू हुई हैं। इनका उद्देश्य शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक बनाना है।

ऐतिहासिक पहलू

हिंदी का विकास संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → आधुनिक हिंदी के क्रम में हुआ।

10वीं शताब्दी के बाद इसका स्वतंत्र रूप उभरकर सामने आया।

समय के साथ इसमें अरबी, फ़ारसी, तुर्की और अंग्रेज़ी शब्दों का समावेश हुआ।

साहित्यिक पहलू:

हिंदी साहित्य अनेक युगों में विभाजित है — आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल।

प्रमुख साहित्यकार: कबीर, तुलसीदास, मुंशी प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, साहित्य में कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि विधाओं का विकास हुआ।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलू:

हिंदी भारत की विविध संस्कृति को जोड़ने वाली भाषा है।

लोकगीत, लोककथाएँ और परंपराएँ हिंदी के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी चलती हैं।

हिंदी ने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राजनैतिक एवं प्रशासनिक पहलू

14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा का दर्जा मिला।

सरकारी कार्यों, न्यायालयों और प्रशासन में हिंदी का प्रयोग होता है।

हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी पहलू:

कंप्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल में हिंदी का व्यापक उपयोग।

हिंदी में सॉफ्टवेयर, वेबसाइट और डिजिटल सामग्री उपलब्ध है।

हिंदी विकिपीडिया और ऑनलाइन शिक्षा मंचों ने इसके विस्तार को बढ़ाया है।

वैश्विक पहलू:

विश्व के अनेक देशों (जैसे अमेरिका, मॉरीशस, फिजी, नेपाल) में हिंदी बोली जाती है।

विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन विभिन्न देशों में किया जाता है।

हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है।मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) के क्रियान्वयन का अध्ययन करना है।

भारतीय ज्ञान प्रणाली के तीन घटक अर्थात् ज्ञान (Jnan), विज्ञान (Vignan) और जीवन दर्शन (Jeevan Darshan) प्रयोग, कठोर अवलोकन तथा अनुभव के माध्यम से विकसित हुए हैं।

NEP 2020 भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) के अंतर्गत योग, आयुर्वेद, स्वदेशी खेल, नैतिक शिक्षा तथा शास्त्रीय परंपराओं को सम्मिलित करने की परिकल्पना करता है। यह प्रणाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक प्रमुख घटक है, जिसमें योग, आयुर्वेद, संस्कृत तथा शास्त्रीय संगीत जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

निष्कर्ष

समग्र रूप से, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का समावेश शिक्षा के प्रति एक अधिक समावेशी और समग्र दृष्टिकोण की ओर व्यापक परिवर्तन को दर्शाता है। इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध विरासत के संदर्भ में विद्यार्थियों के बौद्धिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास को पोषित करना है। हिंदी भाषा के ऐतिहासिक, साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक, वैज्ञानिक और वैश्विक पहलू इसे समृद्ध बनाते हैं। यह भाषा निरंतर विकसित हो रही है और आधुनिक युग में नई ऊँचाइयों को छू रही है।

संदर्भ पुस्तक

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020): सिद्धांत एवं अवधारणाएँ – डॉ. प्रीति सिंह द्वारा
2. Introduction to Indian Knowledge System, Dr. Rohidas Nitonde.